शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

सत्यमेव जयते

उन्नत भारत अभियान
UNNAT BHARAT ABHIYAN

5

निर्गत संख्या

उन्नत भारत अभियान समाचार पत्रिका

16 मार्च, 2026

आगामीकार्यक्रम/ गतिविधियाँ

1. क्षेत्रीय समन्वयक संस्थान (आरसीआई), मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर द्वारा 18 मार्च, 2026 को यूबीए आरसीआई रूपरेखा के तहत क्षेत्रीय अभिविन्यास-सह-समीक्षा कार्यशाला
2. क्षेत्रीय समन्वयक संस्थान (आरसीआई), राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR), चंडीगढ़ द्वारा 17-18 मार्च, 2026 'विकसित भारतके लिए हरबैनिक क्रांति'पर दो दिवसीय राष्ट्रीयसंगोष्ठी का आयोजन
3. क्षेत्रीय समन्वयक संस्थान (आरसीआई), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर द्वारा 18 मार्च, 2026 को भारतीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञानपर एक दिवसीय कार्यशालाका आयोजन
4. क्षेत्रीय समन्वयक संस्थान (आरसीआई), राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (NIRDPR), हैदराबाद द्वारा 17-18 मार्च 2026 को 'ग्राम अध्ययन: सामुदायिक सहभागिता परियोजनाओं के अगले चक्र के लिए प्रस्ताव' पर एक कार्यशाला का आयोजन
5. क्षेत्रीय समन्वयक संस्थान (आरसीआई), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम द्वारा 18 मार्च 2026 को उन्नत भारत अभियान परिचय कार्यशालाका आयोजन प्रतिभागी संस्थानों के लिए किया जा रहा है|
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर द्वारा 22-23 मार्च, 2026 को विषय विशेष समूह (SEG) -ग्रामीणशिल्प और कारीगरों केविकास और ग्रामीण औद्योगिकीकरण और उद्यमिता विकास द्वारा ग्रामीण आजीविका के सह-निर्माणके लिए भागीदारी प्रक्रियाओं पर दो दिवसीय कार्यशाला
7. विषय विशेष समूह क्षमतानिर्माण, विभिन्न सरकार के अभिसरण औरकार्यान्वयन के लिए रणनीतिराष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (NIRDPR) हैदराबाद द्वारा 17-18 मार्च, 2026 को सामुदायिक भागीदारी परियोजनाओं के अगले चक्रके लिए प्रस्ताव विकासपर दो दिवसीय कार्यशालाका आयोजन
8. एसईजी जल संसाधन प्रबंधन द्वारा 16-17 मार्च, 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में यूबीए के तहत 'ग्रामीण जल प्रबंधन एवं उपचार प्रौद्योगिकी' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

सफलता की कहानियां:

1. पॉलिथीन को अवसर केसाथ बदलना: समुदाय-आधारित पेपर बैग उत्पादन
2. ग्रामीण किसानों के लिए कमलागत वाली चारा काटनेकी मशीन का डिज़ाइन

कार्यक्रमऔर गतिविधियां :

1. 26-27 फरवरी 2026 को एनआईटी जमशेदपुर में ग्राम समृद्धि और ग्रामीण पर्यटन संवर्धन पर दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला।
2. 24 फरवरी 2026 को एसईजी-तकनीकी एवं उच्च शिक्षा संस्थान में लोकाचार द्वारा आईआईटी बॉम्बे में "एन.ई.पी. 2020 को लागू करना- उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षाको एकीकृत करना" पर एक दिवसीय कार्यशाला ।
3. एसईजी ग्रामीण आजीविका द्वारा 10-11 मार्च, 2026 को गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान में प्रभावी परियोजना का र्यान्वयन, पूर्णता और ग्रामीण आजीविका पर रिपोर्टिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला।
4. सामाजिक इंटर्नशिप के माध्यम सेछात्रों का सशक्तिकरण- 7 मार्च, 2026 को विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (VNIT) नागपुर में उन्नत भारत अभियान कार्यशाला।

Indian Institute of Technology, Delhi
National Coordinating Institute

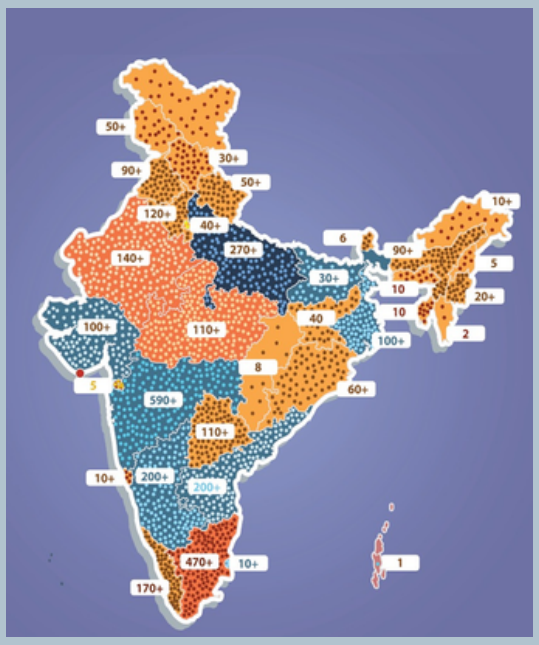

अखिल भारतीय वर्तमान स्थिति
उन्नत भारत अभियान

सफलता की कहानियां:

पॉलिथीन को अवसर के साथ बदलना: समुदाय-आधारित पेपर बैग उत्पादन

झारखंड के रांची जिले के अंगारा ब्लॉक के हेसल पंचायत में स्थित यूबीए नेटवर्क गांव जमुवारी, दो परस्पर जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा था - पर्यावरण के लिए हानिकारक पॉलिथीन बैग पर बढ़ती निर्भरता और ग्रामीण परिवारों के बीच पूरक घरेलू आय सृजन के सीमित अवसर। अधिकांश परिवार मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर थे, जिससे गैर-कृषि समय के दौरान काफी समय तक श्रम का उपयोग नहीं हो पाता था। पर्यावरणीय स्थिरता और आजीविका सृजन दोनों की क्षमता को पहचानते हुए, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), मेसरा के उन्नत भारत अभियान सेल ने गांव में विकेंद्रीकृत पेपर कैरी बैग उत्पादन कार्यक्रम शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों के लिए एक स्थायी आय स्रोत तैयार करते हुए प्लास्टिक बैग के स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाना है।

बीआईटी मेसरा के छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा मास्टर प्रशिक्षकों और स्थानीय हितधारकों के सहयोग से संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ समाधान शुरू हुआ। ग्रामीणों को पेपर कैरी बैग उत्पादन, फिनिशिंग और गुणवत्ता प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया, जिससे वे व्यावसायिक उपयोग के लिए उपयुक्त टिकाऊ पेपर बैग का निर्माण कर सकें। उत्पादन दक्षता और स्केलेबिलिटी बढ़ाने के लिए, बीआईटी मेसरा संकाय और छात्रों ने स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके तेजी से पेपर कैरी बैग उत्पादन करने में सक्षम एक प्रोटोटाइप मशीन डिजाइन और विकसित की। इस तकनीकी नवाचार ने उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार किया और ग्रामीणों को नियमित आपूर्ति मांगों को पूरा करने में सक्षम बनाया।

प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता के बाद, जमुवारी गांव में घरेलू स्तर पर पेपर बैग उत्पादन इकाइयां स्थापित की गईं। इस पहल ने शीघ्र ही परिचालन गति प्राप्त कर ली, लगभग 5,000 पेपर कैरी बैग का उत्पादन किया गया और हर महीने रांची जिले में एक हितधारक को आपूर्ति की गई। इन बैगों का उपयोग शॉपिंग मॉल और स्थानीय बाजारों में पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में किया जा रहा है, जिससे पॉलिथीन के उपयोग को कम करने में मदद मिल रही है।

विकेन्द्रीकृत उत्पादन मॉडल ने सार्थक आर्थिक लाभ उत्पन्न किया है। पांच घर सक्रिय रूप से उत्पादन गतिविधि में शामिल हैं, प्रत्येक घर से तीन से चार परिवार के सदस्य भाग लेते हैं। ख़ाली समय के दौरान प्रति दिन लगभग तीन घंटे समर्पित करके, प्रत्येक परिवार अब ₹3,000 से ₹5,000 तक की अतिरिक्त मासिक आय अर्जित करने में सक्षम है, जो उनकी कृषि आजीविका का पूरक है। यह पहल दर्शाती है कि कैसे प्रौद्योगिकी-सक्षम ग्रामीण उद्यमिता एक साथ पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित कर सकती है और घरेलू आय में सुधार कर सकती है। कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और बाजार लिंकेज को एकीकृत करके, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा ने अपने यूबीए नेटवर्क गांव में स्थायी आजीविका सृजन का एक अनुकरणीय मॉडल सफलतापूर्वक बनाया है। यह परियोजना इस बात का उदाहरण है कि कैसे उन्नत भारत अभियान ढांचे के माध्यम से शैक्षणिक संस्थान स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हुए ग्रामीण समुदायों को हरित आजीविका की ओर संक्रमण करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

PI: बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (BIT), मेसरा
राज्य: झारखंड | ज़िला: राँची
UBA नेटवर्क गाँव: जमुवारी (हेसल पंचायत, अंगारा ब्लॉक)
लाभान्वित परिवार: 5
मासिक उत्पादन: ~5,000 कागज़ के कैरी बैग
परिवार की अतिरिक्त आय: ₹3,000 – ₹5,000 प्रति माह

ग्रामीण किसानों के लिए कम लागत वाली चारा काटने की मशीन का डिज़ाइन

तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के किनाथुकदावु ब्लॉक का एक ग्रामीण गांव, कोधावडी, अपनी स्थानीय पंचायत के लिए सीमित आय-सृजन के अवसरों का सामना करता है। स्थायी राजस्व स्रोतों की कमी सामुदायिक विकास और आवश्यक सेवाओं का समर्थन करने की पंचायत की क्षमता को सीमित करती है। श्री ईश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ने. चारा काटने की मशीन पेश किया, जो एक व्यावहारिक, आय-सृजन समाधान है जो पंचायत को सशक्त बना सकता है और साथ ही स्थानीय कृषक समुदाय को भी लाभ पहुंचा सकता है। यह एक यांत्रिक उपकरण है जिसे पुआल या घास को छोटे, प्रबंधनीय टुकड़ों में काटने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिन्हें बाद में मिश्रित किया जाता है और मवेशियों को खिलाया जाता है। कटर प्रति घंटे 600 किलोग्राम तक पशु चारा काटने में सक्षम है, जिससे चारा प्रसंस्करण दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। किसानों ने अपने मवेशी प्रबंधन में सुधार किया है, जिससे मवेशियों की संख्या में वृद्धि हुई है और उनकी वार्षिक आय में वृद्धि हुई है। चारे की बर्बादी कम हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप संसाधनों का अधिक किफायती और कुशल उपयोग हो रहा है। ग्राम पंचायत चैफ कटर से किराये की आय उत्पन्न करती है, जिससे एक स्थायी स्थानीय राजस्व धारा बनती है।

कार्यक्रम और गतिविधियां

26-27 फरवरी 2026 को एनआईटी जमशेदपुर में ग्राम समृद्धि और ग्रामीण पर्यटन संवर्धन पर दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला

उन्नत भारत अभियान के तहत 26-27 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर में ग्राम समृद्धि और ग्रामीण पर्यटन संवर्धन पर दो दिवसीय कार्यशाला प्रोग्राम सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थागत प्रतिनिधियों के साथ-साथ 59 संकाय सदस्यों और 58 छात्रों सहित लगभग 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला ने वरिष्ठों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया

कार्यशाला ने उच्च शिक्षण संस्थानों और ग्रामीण समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया। विशेषज्ञ सत्रों में टिकाऊ कृषि, स्थानीय उपज में मूल्य संवर्धन, ग्रामीण उद्यमिता और समुदाय आधारित पर्यटन में नवीन दृष्टिकोणों पर चर्चा की गई तथा झारखंड की समृद्ध जनजातीय विरासत और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रकाश डाला गया।

यह कार्यक्रम उन्नत भारत अभियान की भावना को दर्शाता है, जो आत्मनिर्भर, समृद्ध और टिकाऊ ग्रामीण समुदायों के निर्माण के लिए युवा-संचालित नवाचार और सहयोगात्मक कार्रवाई को प्रोत्साहित करता है।

24 फरवरी 2026 को एसईजी-तकनीकी एवं उच्च शिक्षा संस्थान में लोकाचार द्वारा आईआईटी बॉम्बे में "एनईपी 2020 को लागू करना: उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा को एकीकृत करना" पर एक दिवसीय कार्यशाला

SEG का नाम: तकनीकी और उच्च शिक्षा संस्थानों में लोकाचार, IIT बॉम्बे
दिनांक: 24 फरवरी 2026

24 फरवरी 2026 को उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के एसईजी- तकनीकी एवं उच्च शिक्षा संस्थान में लोकाचार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे द्वारा "एनईपी 2020 को लागू करना: उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा को एकीकृत करना" नामक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के ढांचे के भीतर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को मजबूत करना है। कार्यक्रम ने इस केंद्रित विचार-विमर्श में भाग लेने के लिए क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (आरसीआई) समन्वयकों के साथ-साथ उनके संबंधित क्षेत्रों से एक संभावित प्रधान अन्वेषक (पीआई) को आमंत्रित किया। कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य यूबीए की सामुदायिक भागीदारी पहल को एनईपी 2020 की परिवर्तनकारी दृष्टि के साथ संरेखित करना था।

एसईजी ग्रामीण आजीविका द्वारा 10-11 मार्च, 2026 को गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान में प्रभावी परियोजना कार्यान्वयन, पूर्णता और ग्रामीण आजीविका पर रिपोर्टिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला

10-11 मार्च 2026 को गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (डीटीबीयू), गांधीग्राम में यूबीए एसईजी - ग्रामीण आजीविका के तहत "ग्रामीण आजीविका पर प्रभावी परियोजना कार्यान्वयन, समापन और रिपोर्टिंग" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के ढांचे के तहत प्रभावी परियोजना निष्पादन और रिपोर्टिंग में भाग लेने वाले संस्थानों की क्षमताओं को मजबूत करना है। कार्यशाला मूल रूप से लक्ष्य-आधारित परियोजना कार्यान्वयन, क्षेत्र पर्यवेक्षण और निगरानी, मूल्यांकन और प्रभाव मूल्यांकन के लिए मापने योग्य संकेतकों के उपयोग में दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित थी।

सामाजिक इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों का सशक्तिकरण: 7 मार्च, 2026 को विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (VNIT) नागपुर में यूबीए कार्यशाला

उन्नत भारत अभियान के तत्वावधान में 7 मार्च को आरसीआई, वीएनआईटी नागपुर द्वारा एक दिवसीय सामाजिक इंटर्नशिप कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 50 एचईआई का प्रतिनिधित्व करने वाले 350 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य यूजी और पीजी छात्रों को ग्रामीण समुदायों, विशेष रूप से इस क्षेत्र के आदिवासी समुदायों के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। इंटर्नशिप के दौरान, चयनित छात्र ग्रामीण जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए 5-15 दिनों तक गांवों में रहेंगे। वीएनआईटी नागपुर ने छात्रों को सलाह देने के लिए क्षेत्र के 20 गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग किया है। परिणामस्वरूप, 50 से अधिक छात्र सामाजिक इंटर्नशिप करेंगे, जिससे शिक्षा जगत, गैर सरकारी संगठनों और ग्रामीण समुदायों के बीच मजबूत संपर्क को बढ़ावा मिलेगा।

प्रशंसापत्र

"उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत एक गौरवशाली भागीदार संस्था के रूप में, डॉ. एन.जी.पी. कला और विज्ञान महाविद्यालय ने ग्रामीण समुदायों और शैक्षणिक संसाधनों के बीच अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ग्रामीण विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता प्रत्येक छात्र पहल, सामुदायिक सहभागिता और ज़मीन पर लागू किए गए स्थायी समाधान में परिलक्षित होती है।"

डॉ. एस. जगतीश्वरी
डॉ. एन.जी.पी. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय

"यूबीए ने न केवल ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाया है, बल्कि हमें समावेशी और सतत विकास की दिशा में अपने संस्थागत प्रयासों को संरेखित करने के लिए भी प्रेरित किया है। हम इस परिवर्तनकारी यात्रा का हिस्सा बनने का अवसर देने के लिए यूबीए राष्ट्रीय समन्वय संस्थान और शिक्षा मंत्रालय के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।"

गोपालकृष्ण वकामुल्लु
आदित्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट

धन्यवाद

राष्ट्रीय समन्वयक कार्यालय, उन्नत भारत अभियान द्वारा संकलित

विनम्र अनुरोध

प्रतिक्रिया और सुझाव के लिए कृपया हमें लिखें:

ब्लॉक V-405, आईआईटी दिल्ली कैंपस, हौज खास, नई दिल्ली-110016
unnatbharatabhiyan@gmail.com
unnatbharat@admin.iitd.ac.in
https://unnatbharatabhiyan.gov.in/